गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 210
दि. 01.12.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

सरदार@150 पदयात्रा के पांचवें दिन सामूहिक रूप से मन की बात कार्यक्रम सुना गया; प्रधानमंत्री मोदी के संदेश ने युवाओं और नागरिकों को प्रेरित किया

- 'मोदी - विकसित भारत का निर्माण': श्री वेंकैया नायडू ने सरदार गाथा के दौरान भारत की प्रगति के एक दशक की प्रशंसा की
- 'सरदार पटेल मेरे जीवन की प्रेरणा हैं': डॉ. मनसुख मांडविया
- वडोदरा ने सरदार@150 पदयात्रा के सामूहिक रूप से गुजरात में 72 किलोमीटर की दूरी तय करने पर उत्साह के साथ स्वागत किया

(जीएनएस)।

गुजरात में सरदार@150 पदयात्रा आज पाँचवें दिन वडोदरा शहर पहुँची। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सरदार गाथा और ग्राम सभा सहित कई गतिविधियों में उत्साहपूर्ण जनभागीदारी देखी गई। यह पदयात्रा अब सामूहिक रूप से 72 किलोमीटर की दूरी तय चुकी है और सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकता और नागरिक उत्तरदायित्व के संदेश का प्रसार जारी रखे हुए है।

दिन की शुरूआत अरबिंदो आश्रम में योगाभ्यास से हुई, जिसके बाद केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ और राज्यसभा सांसद श्री सुरेंद्र सिंह नागर के नेतृत्व में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। "एक पेड़ माँ के नाम" थीम पर आयोजित इस पौधारोपण अभियान में व्यापक सामुदायिक भागीदारी देखी गई, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

पांचवें दिन पदयात्रा अरबिंदो आश्रम से नवलखी ग्राउंड, खंडेराव मार्केट क्रॉस रोड, कीर्ति स्तंभ, प्रतिमा पुष्पाजलि (एफटीई कॉलेज), वडोदरा शहर का विस्तार, भारतीय विद्या भवन, मकरपुरा बस प्वाइंट, जंबुवा (आइडियल स्कूल), आलमगीर (हनुमान मंदिर) और बाबरिया कॉलेज (केपीजीयू) से होते हुए अंत में त्रिमंदिर, वनार्मा में समाप्त हुई।

इस दिन का मुख्य आकर्षण के रूप में गणमान्य व्यक्ति और पदयात्री मन की बात सुनने के लिए एकत्र हुए, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिटनेस, अनुशासन और सामूहिक कल्याण के महत्व पर जोर दिया।

इस दिन की एक उल्लेखनीय विशेषता स्वच्छता अभियान था, जिसमें "माई भारत" के स्वयंसेवकों और पदयात्रियों ने पूरे मार्ग पर स्वच्छता गतिविधियाँ चलाईं। कचरा संग्रहण बैग लेकर, उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों, बाजारों और सड़कों की सफाई की, नागरिकों को इस प्रयास में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और नागरिक उत्तरदायित्व के बारे में जागरूकता फैलाई।

जम्बुवा - आइडियल स्कूल में आयोजित सरदार गाथा का विषय था "सरदार गाथा - आधुनिक भारत के निमार्ता।" विशेष रूप से आयोजित प्रदर्शनी, "सरदार और मजदूर संघ - मजदूरों की आवाज", ने श्रमिक अधिकारों को मजबूत करने, श्रमिक आंदोलनों को एकजुट करने और भारत के आधुनिक प्रशासनिक ढाँचे की नींव रखने वाले संगठनात्मक सुधारों को आकार देने में सरदार पटेल की अग्रणी भूमिका को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और सांसद श्री हेमांग जोशी सहित कई अन्य प्रमुख नेता और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राष्ट्रव्यापी समारोहों पर अपने विचार साझा किए और इस बात पर जोर दिया कि पदयात्राएँ आत्मनिर्भर भारत और एक भारत श्रेष्ठ भारत की प्रेरक भावना को आगे बढ़ा रही हैं और नागरिकों को सरदार पटेल के आत्मनिर्भरता, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के संदेश की याद दिला रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "सरदार पटेल मेरे जीवन की प्रेरणा हैं", और जन सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर भारत के लौह पुरुष के स्थायी प्रभाव को उजागर किया।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने एनआईटी कुरुक्षेत्र के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

- मैकाले युग की औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागकर भारत वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसरः उपराष्ट्रपति
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की संस्कृति, परंपरा और लोकाचार में निहितः उपराष्ट्रपति
- अनुसंधान को ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना चाहिए, शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटना चाहिए और एमएसएमई को मजबूत करना चाहिएः उपराष्ट्रपति
- प्रतिभा पलायन से प्रतिभा से लाभ तकः उपराष्ट्रपति ने युवाओं से भारत को अपनी यात्रा के केंद्र में रखने का आग्रह किया
- उपराष्ट्रपति ने कहा अगला गूगल, टेस्ला या स्पेसएक्स भारत से हो
- प्रौद्योगिकी का असली उद्देश्य उद्देश्यपूर्ण प्रगति हैः उपराष्ट्रपति
- भारत वैश्विक प्रौद्योगिकियों के निमार्ता के रूप में उभर रहा है - न कि केवल अपनाने वालाः उपराष्ट्रपति
- सरकार रचनात्मकता, जोखिम लेने और रोजगार सृजन से प्रेरित एक मजबूत स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैः उपराष्ट्रपति
- कुरुक्षेत्र अधर्म पर धर्म की शाश्वत विजय का प्रतीक हैः उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), कुरुक्षेत्र, हरियाणा के 20वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में से एक के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने एनआईटी कुरुक्षेत्र की सराहना करते हुए कहा कि यह एक समृद्ध विरासत, जीवंत वर्तमान और भविष्य वाला संस्थान है जो देश में तकनीकी शिक्षा के मानकों को आकार दे रहा है।

दित्वा चक्रवात के लिए दूरसंचार विभाग की तैयारी

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात दित्वा के मद्देनजर दूरसंचार नेटवर्क की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारी की हैं। इस चक्रवात से तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु पर असर पड़ने की आशंका है। दूरसंचार विभाग ने चक्रवात दित्वा के खतरे को देखते हुए दूरसंचार कनेक्टिविटी की सुरक्षा, सेवा प्रदाताओं के साथ तालमेल और जिला प्रशासन तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक 247 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) को निर्बाध नेटवर्क संचालन, पर्याप्त ईंधन भंडार, आपातकालीन बिजली बैकअप की तैयारी और संवेदनशील जिलों में फील्ड रिस्पांस टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एक रहने पर सनातन धर्म रहेगा सुरक्षित : सीएम योगी

सीएम योगी बोले: धर्मांतरण और नशे के माध्यम से प्रहार करेंगे विदेशी, कहा- एक रहने पर सनातन धर्म रहेगा सुरक्षित

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के झज्जर में कहा कि जब भारत का स्वर्णयुग आया था, विदेशी हमले होने लगे थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशे के माध्यम से हमला होगा, जिसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक है। यह तभी सुरक्षित रहेगा, जब हम एक रहेंगे। जाति, तुष्टिकरण, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बंटना नहीं है। अयोध्या रामजन्मभूमि पर जैसे धर्मध्वजा फहरा रही है, वैसे ही एकजुट होकर सनातन धर्म की ध्वजा पताका हर सनातनी के घर पर लहराती दिखनी चाहिए।

योगी झज्जर के कबलाना गांव में बाबा पालनाथ आश्रम में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह व आठ मान के भव्य भंडारे में शामिल होने के बाद साधु-संतों और आमजन को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ, बाबा पालनाथ, उनके गुरु भाई व इस परिवार से जुड़े योगेश्वरों, शिव परिवार, बजरंग बली की भव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

योगी ने कहा कि नशा कारोबारी व्यवस्था को खोखला बना रहे हैं। हमें युवाओं, वर्तमान पीढ़ी व समाज को नशे से बचाना होगा। हमारा दुश्मन किसी न किसी रूप में नशा का कारोबार भारत में फैलाना चाहता है। सीमा पार से लगातार ऐसी शरारतें हो रही हैं। इस दौरान बाबा मस्तनाथ पीठ रोहतक के महंत व विधायक योगी बालक नाथ, महंत नरहरिनाथ, महंत चेताईनाथ, महंत राजनाथ, लहरनाथ आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में काशी तमिल संगमम् 4.0 पर किया विस्तार से संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के नवीनतम संस्करण में काशी तमिल संगमम् 4.0 के चौथे संस्करण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

पीएम ने कहा कि काशी तमिल संगमम् भाषा और संस्कृति का अद्भुत संगम है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक तमिल और दुनिया के सबसे प्राचीन शहरों में से एक काशी जब एक मंच पर आते हैं तो वह दृश्य अद्भुत होता है। उन्होंने बताया कि 2 दिसंबर से काशी के नमो घाट पर चौथा काशी तमिल संगमम् शुरू हो रहा है। इस बार कार्यक्रम की थीम है 'Learn Tamil - तमिल करकलम।

'स्वागत' कार्यक्रम' में की गई प्रस्तुति का मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा चार दिनों के भीतर निराकरण !

- 'स्वागत' ऑनलाइन : टेक्नोलॉजी के माध्यम से जन समस्या का निवारण
- 'स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम' पोरबंदर के मोडदर के ग्रामीणों के लिए वरदान स्वरूप सिद्ध हुआ
- मुख्यमंत्री के 'स्वागत' कार्यक्रम से पोरबंदर के मोडदर गाँव की वर्षों पुरानी सड़क समस्या का स्थायी निवारण
- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा 'स्वागत' कार्यक्रम में पोरबंदर के निकट स्थित मोडदर के किसानों को सुनकर सड़क एवं भवन विभाग को निर्देश दिए जाने से चार दिनों के भीतर ही सड़क व पुल के कार्य के लिए 9 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति मिली
- पोरबंदर के पसवारी-मोडदर के बीच किसानों को खेत जाने का छोटा रास्ता मिलेगा और विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए कुतियाणा 8 किलोमीटर नजदीक पड़ेगा
- मुख्यमंत्री ने किसानों को ध्यान से सुनकर; इसकी मुझे प्रसन्नता : लखमणभाई, किसान, मोडेदरा
- मुख्यमंत्री ने स्वागत-सत्कार किया, कल्पना नहीं थी कि ऐसा काम इतनी तेजी से होगा : राणाभाई कटारा, पशुपालक

गांधीनगर, 30 नवंबर : गुजरात में लोकप्रिय बना 'स्वागत' ऑनलाइन कार्यक्रम सुदूरवर्ती लोगों की बुनियादी समस्याओं का स्थायी निवारण ला रहा है। इसका उदाहरण है पोरबंदर जिले के मोडदर गाँव का किस्सा। पोरबंदर के कुतियाणा के पास 1200 की आबादी वाला छोटा-सा गाँव मोडदर आज खुश है और इसका कारण है 'स्वागत' ऑनलाइन कार्यक्रम।

बात विस्तार से। मुख्यमंत्री के 'स्वागत' कार्यक्रम में पोरबंदर के मोडदर गाँव के लखमणभाई मोडदरा तथा अन्य किसानों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष अपने गाँव की सड़क समस्या प्रस्तुत की। मख्यमंत्री ने ग्रामीणजनों को ध्यान से सुना। गाँव की मांग थी कि उन्हें कुतियाणा पहुँचने के लिए सड़क तथा पुल बनाकर दिए जाएँ।

मुख्यमंत्री को लगा कि ग्रामीणों की समस्या वाजिब है और इससे किसानों, विद्यार्थियों तथा अन्य ग्रामीणों की सुख-सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने तुरंत ही इसके लिए 9 करोड़ रुपए मंजूर किए और पुल का कार्य मंजूर कर तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए।

अब मोडदर तथा पसवारी गाँव के बीच माइनर ब्रिज, क्लवर्ट तथा तीन किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य शुरू होगा। इसके लिए 9 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री के 'स्वागत' कार्यक्रम में गाँव की समस्या का निवारण होने से ग्रामीणजन भावविभोर बने हैं। श्री लखमणभाई ने कहा, 'हम मुख्यमंत्री से मिलकर गाँव लौटे, उसके बाद चौथे ही दिन मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से फोन आया कि आपकी समस्या का निराकरण हो गया है। इतना ही नहीं; इस कार्य के लिए 9 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति भी दे दी गई है। हमारे छोटे-से गाँव के लिए यह बहुत बड़ी बात है।'

लखमणभाई कहते हैं कि पिछले कई वर्षों से गाँव के लोगों की भावना थी कि कुतियाणा जाने के लिए सड़क एवं पुल का निर्माण हो। हाल में लगभग चार गाँवों को पार करके जाना पड़ता है, जिसका अंतर 20 किलोमीटर है। और फिर नदी के सामने वाले तट पर 100 से अधिक किसानों के खेत हैं। इन खेतों से भी होकर गुजरना पड़ता है। किसान छोटे रास्ते का उपयोग करते, लेकिन जान जोखिम में डालकर।

लखमणभाई कहते हैं कि गाँव के लोग पशुधन के साथ नदी में उतरकर खेत में जाते। कभी-कभी वे पतवार का उपयोग करते, जिससे डूब जाने का डर हमेशा रहता। इस समस्या से अब मुक्ति मिलेगी।

यह गाँव घेड क्षेत्र का होने के कारण इस गाँव में आठ महीने नदी का पानी भरा रहता है और चार महीने ही रास्ता खुला रहता है। गाँव के लोगों ने पहली बार यह समस्या जिला स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में प्रस्तुत की। पोरबंदर कलेक्टर ने अड़चनें दूर कर पुराना रास्ता खुलवाया, लेकिन ग्रामीणों की मांग नदी पर पुल निर्माण की थी। इस संबंध में मुख्यमंत्री के 'स्वागत' कार्यक्रम में समस्या प्रस्तुत की गई और समस्या का हल निकला।

मोडदर के श्री रमेशभाई कंरगिया कहते हैं कि यह मार्ग हमारे लिए जीवनडोर समान सिद्ध होगा। विद्यार्थियों को स्कूल नजदीक पड़ेगा, किसानों को खेत और जब मरीज को तत्काल उपचार की जरूरत होगी, तब उसे अस्पताल जल्दी से पहुँचाया जा सकेगा और उसकी जान बचाई जा सकेगी।

मोडदर के पशुपालक राणाभाई कटारा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा किए गए 'स्वागत'-सत्कार को आज भी याद करते हैं। वे हर्ष व्यक्त करते हुए कहते हैं कि हमें इस बात का संतोष है कि मुख्यमंत्री ने हमारी समस्या समझी और उसका तत्काल निवारण किया।

मुख्यमंत्री के 'स्वागत' कार्यक्रम में मोडदर जैसे अनेक गाँवों-शहरों के नागरिकों की समस्या का समाधान हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात में उनके मुख्यमंत्रित्व काल में शुरू हुआ 'स्वागत' ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में और तेज गति से आगे बढ़ रहा है तथा 'नागरिक देवो भवः' के विचार को वास्तविक रूप दे रहा है।

सुंदर नर्सरी में सरस आजीविका फूड फेस्टीवल 2025 का उद्घाटन करेंगें केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है यह फूड फेस्टिवल 9 दिसंबर तक चलेगा
- 25 राज्यों के 500 से अधिक उत्कृष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे सरस आजीविका फूड फेस्टीवल में

(जीएनएस)।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कल (एक दिसम्बर 2025 को) नई दिल्ली स्थित सुंदर नर्सरी में आयोजित किए जा रहे सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025 का उद्घाटन करेंगें। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी विशिष्ट अतिथी के तौर पर उपस्थित रहेंगी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री श्री चन्द्र शेखर पेम्मासानी और केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान भी इस अवसर पर सम्मानित अतिथी के तौर पर शामिल होंगे।

इस फेस्टिवल में राजधानी के लोगों को एक बार फिर भारतीय संस्कृति व खान पान की झलक दिल्ली की सुंदर नर्सरी में दिखाई देगी।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

केटीएस 4.0 थीमः 300 छात्र तमिल सीखने वाराणसी से जाएंगे तमिलनाडु

(जीएनएस)। आज काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित एल डी अतिथि गृह में गोविंद जायसवाल, संयुक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा एवं साक्षरता), उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा काशी-तमिल संगमम् 4.0 के बारे में बड़ी जानकारी साझा की गई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष काशी-तमिल संगमम् के आयोजन के लिए व्यापक तैयारी पूरी हो चुकी है। विभागीय अधिकारियों और आयोजन टीम के सदस्यों की समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें समस्त तैयारियों, लॉजिस्टिक, कार्यक्रम संरचना और सुरक्षा-व्यवस्था पर विस्तार से चर्चित हुई। गोविंद जायसवाल ने स्पष्ट किया कि इस बार काशी-तमिल संगमम् 4.0 दो चरणों में आयोजित किया जाएगा

सम्पादकीय

पाकिस्तान में इमरान खान की मुश्किलें बढ़ीं

इन दिनों पाकिस्तान में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के विरोधी और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के मौत की खबरें उड़ रही हैं। पाकिस्तान मीडिया में ज्यादातर उन्हीं खबरों को सही माना जाता है जो आईएसपीआर की तरफ से दी जाती हैं। पाकिस्तान सरकार के प्रवक्ता पर भी पाकिस्तान की जनता भरोसा नहीं करती। फिलहाल सैन्य प्रवक्ता आईएसपीआर तो इमरान खान के बारे में चुप्पी साधे हुए है जबकि पाकिस्तान तहरीक-एइंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर मांग कर रहे हैं कि उन्हें उनके नेता की सही हालात के बारे में अधिवृत जानकारी दी जाए। इस बीच शनिवार को पीटीआई के सांसद खुर्रम जीशान ने एक बयान जारी कर बताया है कि "शहबाज शरीफ सरकार ने इमरान खान को प्रस्ताव दिया है कि या तो वह देश से बाहर चले जाएं अथवा राजनीति से सन्यास ले लें किन्तु इमरान खान ने कोई जवाब नहीं दिया है।" इसका मतलब यह हुआ कि इमरान खान जिन्दा हैं किन्तु देश में हो रहे पीटीआई के आंदोलन से न सिर्प आसिम मुनीर असहज हो रहे हैं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में हो रही फजीहत के कारण पीपीपी और मुस्लिम लीग (नवाज) भी परेशान है। असल में पीटीआई के कार्यकताओं ने पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार सैन्य अधिकारियों के घरों में घुसकर तोड़फोड़ की थी। यही नहीं इमरान पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने पाक सेना के दो गुटों को आमने-सामने कर दिया था।

आसिम मुनीर के बाद बने आईएसआई प्रमुख पैज हमीद को खुलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान का समर्थन था। लेकिन अब जबकि फील्ड मार्शल पाकिस्तान में सर्वशक्तिमान हो गए हैं तो वह बिल्वुल नहीं चाहते कि इमरान खान पाकिस्तान में रहें। शहबाज भी इस वास्तविकता को अच्छी तरह मानते हैं कि उनका परिवार खुद पाकिस्तान की बिगड़ैल सेना के गुस्से का शिकार हो चुकी है। यही कारण है कि मौजूदा प्रधानमंत्री कार्यालय फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का पोस्ट आफिस है। इस प्रस्ताव की वास्तविकता भी यही है कि यह वुटिल योजना तो आईएसआई और फील्ड मार्शल मुनीर की ही है किन्तु इस योजना को प्रस्ताव के रूप में शहबाज ने इमरान को भेज दिया। सच तो यही है कि पाकिस्तान में जब सेना सत्ता में होती है तो वह एक राजनेता को जरूर शिकार बनाती है। इस वक्त यह शिकार इमरान बन चुके हैं। अभी तो सैन्य अथारिटी ने इमरान खान को प्रस्ताव भेजा है यदि उन्होंने कोई पैसला नहीं लिया तो तिलमिलाई सेना अपने अनुसार ही पैसला ले सकती है। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान की सेना का प्रस्ताव ठुकराना पूर्व प्रधानमंत्रियों की क्या दुर्गति हुई है।

आसिम मुनीर समझ चुके हैं कि इस वक्त पाकिस्तान में कोई भी पाटा इमरान खान की पाटा से ज्यादा जनाधार वाली नहीं है। पीटीआई के बड़ेबड़े नेता जो कभी मंत्री रह चुके हैं, आसिम मुनीर के इशारे पर जेलों में बंद हैं फिर भी आम कार्यकर्ता आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं तो संदेश यही जाता है कि पाकिस्तान में एक वर्ग मुनीर के खिलाफ मुखर है।

बहरहाल पाकिस्तान में इमरान खान को लेकर बवाल मचा हुआ है।

पीटीआई के नेता और खैबर पख्तूनख्वा के राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी आज यदि सेना की नाराजगी के बावजूद अदियाला जेल के बाहर डेरा डालने की हिम्मत जुटा पाए हैं तो इसका मतलब उनके नेता न सिर्प अभी जिन्दा हैं बल्कि सेना और उसकी कठपुतली शहबाज सरकार के नाक में दम किए हुए हैं। सच तो यह है कि इन दिनों इमरान का सच दुनिया जानने के लिए उत्सुक है किन्तु जो लोग पाकिस्तान की हकीकत जानते हैं वे इमरान का सच जानने के लिए मीडिया और सरकार पर भरोसा नहीं करते इसलिए अनिश्चितता का माहौल है।

तेजी से बदलते समय में, गीता की शिक्षाएं एक मार्गदर्शक का काम करती हैं: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने कुरूक्षेत्र में अखिल भारतीय देवस्थानम सम्मेलन को संबोधित किया

भगवद् गीता धार्मिक जीवन और प्रबुद्ध कर्म के लिए एक सार्वभौमिक मार्गदर्शक है: उपराष्ट्रपति

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव हमें भारत के शाश्वत मूल्यों - धर्म, कर्तव्य और आंतरिक उत्कृष्टता की याद दिलाता है: उपराष्ट्रपति

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण का मार्ग भगवद् गीता के सिद्धांतों को अपनाने में निहित है: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने महोत्सव के आयोजन के लिए और राज्य को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री की सराहना की

(जीएनएस)। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज हरियाणा के कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 से इतर आयोजित अखिल भारतीय देवस्थानम सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह "वेदों की भूमि" कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर खड़े होकर अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थान हजारों वर्षों से इस स्थान के रूप में पूजनीय है जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को भगवद् गीता का दिव्य ज्ञान प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र हमेशा याद दिलाता है कि धर्म अंततः अधर्म पर विजय प्राप्त करता है, चाहे अधर्म कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो।

उपराष्ट्रपति ने भगवद् गीता को एक धार्मिक ग्रंथ से कहीं अधिक "धार्मिक जीवन, साहसी कार्य और प्रबुद्ध चेतना के लिए एक सार्वभौमिक ग्रंथ" बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धर्म द्वारा निर्देशित अपने कर्म पर ध्यान केंद्रित करने का भगवान कृष्ण का आ'ान, एक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की कुंजी है।

मजबूत चरित्र निर्माण की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि चरित्र, धन या अन्य सांसारिक उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गीता मानवता को एक सदाचारी और अनुशासित जीवन जीने का मार्गदर्शन करती है

और भगवान कृष्ण की तरह हमें याद दिलाती है कि नैतिक शक्ति उद्देश्य की स्पष्टता और धार्मिकता के प्रति समर्पण से उत्पन्न होती है।

यह आशा व्यक्त करते हुए कि तेजी से बदलते युग में, गीता व्यक्तियों, समाजों और राष्ट्रों को शांति और सद्भाव की दिशा में मार्गदर्शन करती रहेगी, उपराष्ट्रपति ने इसकी स्थायी प्रासंगिकता के महत्व के बारे में बताया।

इस आयोजन के विकास की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली गीता जयंती पिछले नौ वर्षों में एक वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्सव के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने और हरियाणा को प्रगति की नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने के लिए हरियाणा सरकार और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को बधाई दी।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भगवान कृष्ण के दिव्य गुणों, श्रीमद्भगवद्गीता की शिक्षाओं और सनातन धर्म की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सभी उम्र के लोगों के लिए सुलभ तरीके से प्रदर्शित करता है।

उन्होंने महोत्सव की सराहना करते हुए इसे एक ऐसा मंच बताया जो सदियों से भारत को जीवित रखने वाले मूल्यों - धर्म, कर्तव्य, आत्मानुशासन और उत्कृष्टता की खोज को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि ये मूल्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण की नींव हैं।

उपराष्ट्रपति ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और गीता ज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित सम्मेलन की भी सराहना की, जिसमें पूरे भारत के संत, विद्वान, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, कलाकार और सांस्कृतिक नेता एक साथ आए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन संवाद को गहरा करते हैं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करते हैं और युवा मन को भगवद् गीता को एक दूरस्थ ग्रंथ के रूप में नहीं, बल्कि साहस, विनम्रता और ज्ञान के जीवंत मार्गदर्शक के रूप में देखने के लिए प्रेरित करते हैं।

अपने संबोधन को समाप्त करते हुए श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने उपस्थित सभी लोगों से भगवद् गीता की शाश्वत शिक्षाओं को आत्मसात करने, धमार्नुसार कार्य करने, ज्ञान प्राप्त करने, शांति को अपनाने और मानवता के कल्याण में योगदान देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इससे पहले उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कुरूक्षेत्र में मां भद्रकाली शक्तिपीठ मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की।

राजनीतिक दलों के नेताओं संग सरकार की आज बैठक हुई

केंद्रीय मंत्रियों सहित 36 राजनीतिक दलों के 50 नेता बैठक में शामिल हुए

(जीएनएस)। संसद के आगामी शीतकालीन सत्र, 2025 से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए आज (30 नवंबर, 2025) रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ संसद भवन परिसर, नई दिल्ली में एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने बुलाई थी। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और संसदीय कार्य और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी शामिल हुए। कुल मिलाकर, बैठक में मंत्रियों सहित 36 राजनीतिक दलों के 50 नेताओं ने भाग लिया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की परिचयात्मक टिप्पणी से बैठक की शुरूआत हुई। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी नेताओं का स्वागत किया। तत्पश्चात, संसदीय कार्य मंत्री ने बैठक का संचालन किया। उन्होंने नेताओं को सूचित किया कि संसद का शीतकालीन सत्र, 2025 सोमवार, 1 दिसंबर, 2025 को आरंभ होगा और सरकारी कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन, सत्र शुक्रवार, 19 दिसंबर, 2025 को समाप्त हो सकता है। इस सत्र में 19 दिनों की अवधि में कुल 15 बैठकें होंगी।

संसदीय कार्य मंत्री श्री रिजिजू ने आगे बताया कि इस सत्र के दौरान उठाए जाने वाले विधायी और अन्य कार्यों के लिए अस्थायी रूप से 14 विषयों की पहचान की गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार दोनों सदनों के नियमों के अनुसार, सदनों में किसी भी अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान उनके की ओर से उठाए जाने वाले विभिन्न संभावित मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए और सरकार को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

अंत में, श्री राजनाथ सिंह और श्री किरेन रिजिजू ने बैठक में भाग लेने, अपने विचार व्यक्त करने तथा सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी के लिए सभी नेताओं को धन्यवाद दिया।

संसद के शीतकालीन सत्र, 2025 के दौरान संभावित रूप से उठाए जाने वाले विधेयकों की सूची

क- विधायी कार्य:

जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025

मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025- अध्यादेश का स्थान लेने के लिए

निरसन और संशोधन विधेयक, 2025

राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025

परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025

कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2025

प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक (एसएमसी), 2025

बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025

मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) विधेयक, 2025

भारतीय उच्च शिक्षा आयोग विधेयक, 2025

केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025

स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025

क्क- वित्तीय व्यवसाय :

वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के प्रथम बैच पर प्रस्तुति, चर्चा एवं मतदान तथा संबंधित विनियोग विधेयक का पुरःस्थापन, विचार एवं पारित/वापस करना।

एलिम्को ने मनाया 53वां स्थापना दिवस; दिव्यांगजनों के लिए नया लोगो और नेक्स्ट-जेनरेशन मोबिलिटी समाधान पेश किए

प्रविष्टि तिथिः 30 ठडश 2025 7:10ढट ु८ ढक्ह ऊँ

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) ने आज अपने 53वें स्थापना दिवस पर समावेशन, गरिमा और तकनीकी उत्कृष्टता के प्रति नए संकल्प के साथ उत्सव मनाया। इस अवसर पर एलिम्को के नए कॉर्पोरेट लोगो का अनावरण किया गया और दो उन्नत मोबिलिटी समाधानों - दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3-व्हीलर ईवी स्कूटर तथा क्लिप-ऑन मोटराइज्ड व्हीलचेयर- का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय और अधिकारिता के माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ.वीरेंद्र कुमार तथा माननीय राज्य मंत्री श्री बी.एल. वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए डॉ.वीरेंद्र कुमार ने एलिम्को की परिवर्तनकारी यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 53 वर्षों की सेवा में यह संगठन एक विनिर्माण इकाई से विकसित होकर ऐसा राष्ट्रीय संस्थान बन गया है, जो नवाचार और संवेदनशीलता- दोनों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, 32 लाख से ज्यादा दिव्यांग लाभार्थियों को अलग-अलग सरकारी पहलों के जरिए मदद दी गई है, और एलिम्को यह पक्का करने में अहम भूमिका निभा रहा है कि देश भर में हर जरूरतमंद व्यक्ति तक उच्च-गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण पहुँचें।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री बी.एल. वर्मा ने इस अवसर को केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि करुणा और सामूहिक उद्देश्य के उत्सव के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित उपकरण केवल इंजीनियरिंग के उत्पाद नहीं हैं, बल्कि स्वतंत्रता, गरिमा और गतिशीलता को सक्षम बनाने वाले सशक्त साधन हैं, जो समावेशी और सुलभ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती नेतृत्व क्षमता को दशार्ते हैं।

इस मौके पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की अतिरिक्त सचिव श्रीमती मनमीत कौर नंदा का दिल को छू लेने वाला भाषण सबसे खास था, जिसमें उन्होंने इस बात पर

जोर दिया कि एलिम्को को सिर्फ.एक उत्पादन संगठन के तौर पर नहीं, बल्कि एक जीवंत संस्थान के तौर पर देखा जाना चाहिए जो भारत के आत्मनिर्भरता, सबको साथ लेकर चलने और सामाजिक न्याय के नजरिए को आगे बढ़ाती है।

उन्होंने इस दिन को अत्यंत महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नए लोगो का अनावरण और दो नई मोबिलिटी नवाचारों का शुभारंभ एलिम्को की यात्रा में एक नए अध्याय की शुरूआत है। उन्होंने बताया कि किसी संगठन का काम आखिर में मशीनों से नहीं, बल्कि उन लोगों की ज़िंदगी से तय होता है जिनसे वह जुड़ती है।

कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित फिल्म में दिखाई गई कहानियों का स्मरण करते हुए, उन्होंने सुश्री सरिता त्रिवेदी का उल्लेख किया - जो ट्रिपल एम्प्युटी होते हुए भी कला के क्षेत्र में राष्ट्र के लिए प्रेरणा हैं - साथ ही उस बीएसएफ अधिकारी की भी चर्चा की, जिन्होंने अंग खो देने और चिकित्सकीय सलाह के बावजूद सक्रिय जीवन से पीछे नहीं हटे और इंडोनेशिया के विश्व नंबर 1 पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी को पराजित करने में सफलता हासिल की।

अधिकारी की बातें साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'अंग वैकल्पिक हैं, लेकिन साहस अनिवार्य है।'

एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि में, श्रीमती नंदा ने एलिम्को के अधिकारियों, कर्मचारियों, कार्यकताओं और स्टाफ के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की, और उनके अदृश्य लेकिन निरंतर समर्पण को सराहा। उन्होंने कहा कि उनकी सामूहिक कोशिशें ही ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तियों को राष्ट्रीय चेतना में लाती हैं और अनगिनत परिवारों में आशा की लौ जगाती हैं।

उन्होंने एलिम्को के आगे के विजन पर भी जोर दिया, जिसमें 80 से ज्यादा स्टार्ट-अप्स के साथ सहयोग, तकनीकी हस्तांतरण समझौते, एआई-सहायता प्राप्त और स्मार्ट डिजिटल सहायक प्रौद्योगिकियों में विस्तार, और पूरे देश में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उन्नत, किफायती और उच्च-गुणवत्ता वाले सहायक उपकरणों का विकास शामिल है।

उन्होंने समापन में कहा कि नया एलिम्को लोगो वाले प्रत्येक उपकरण केवल नवाचार का प्रतीक नहीं होगा, बल्कि यह करुणा, जिम्मेदारी और समावेशन का संदेश भी देगा-एक वादा कि भारत की प्रगति की यात्रा में कोई नागरिक पीछे नहीं रहेगा।

एलिम्को के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री प्रवीण कुमार ने नई कॉर्पोरेट पहचान पेश करते हुए कहा कि नया बैंगनी लोगो गरिमा, समावेशन और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रतीक है, जो आधुनिक समाधान, तेज डिलीवरी और बढ़े हुए प्रभाव पर संगठन के नवीनीकृत फोकस को दशार्ता है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि ईवी मोबिलिटी, उन्नत कृत्रिम अंग और नेक्स्ट-जेनरेशन के सहायक उपकरणों के समेकन के साथ, एलिम्को अब उभरती जरूरतों का उच्च गुणवत्ता, संवेदनशीलता और तेजी के साथ बेहतर उत्तर देने के लिए पहले से अधिक सक्षम है।

नवनिर्मित उत्पादों की मुख्य विशेषताएँ:

दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3-व्हीलर ईवी स्कूटर का डिजाइन बहुत स्टेबल और एगोनीमिक है, यह पर्यावरण के अनुकूल है और इसे मेंटेनेंस की जरूरत कम है, और इसे भीड़-भाड़ वाली और शहरी जगहों पर चलाना आसान है।

क्लिप-ऑन मोटराइज्ड व्हीलचेयर एक मैनुअल व्हीलचेयर को मोटराइज्ड यूनिट में बदल देती है, यह रिचार्जेबल लिथियम-आयन बैटरी से चलती है, एक बार चार्ज करने पर 25 किलोमीटर तक की रेंज देती है, और इसमें बेहतर ब्रेकिंग और रिवर्स-गियर फंक्शनैलिटी है।

इस स्मारक कार्यक्रम में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, दिव्यांग संगठन के प्रतिनिधि, तकनीकी विशेषज्ञ, लाभार्थी और एलिम्को के नेतृत्व के सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने एक अधिक सुलभ, सशक्त और समावेशी भारत के प्रति साझा राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दोबारा पुष्ट किया।

जेन-जी ने थामा केटीएस 4.0 का सांस्कृतिक रथ'-तमिलनाडु से काशी तक 'कल्चरल जॉय राइड' और प्री-इवेंट्स में जेन-जी का जलवा

नुक्कड़ नाटक से रील मेकिंग तक-Gen Z बना काशी तमिल संगमम् का नया चेहरा

(जीएनएस)। दो दिसंबर से शुरू होने वाले काशी तमिल संगमम् 4.0 को लेकर Gen Z में खास उत्साह देखा जा रहा है जो इस सांस्कृतिक महाकुंभ को और जीवंत बना रहा है। यह आयोजन काशी और तमिलनाडु के बीच प्राचीन सांस्कृतिक व भाषायी संबंधों को नए दौर की युवा ऊर्जा के साथ जोड़ने का प्रयास है।

29 नवंबर कन्याकुमारी से ट्रेन से निकले छात्रों के पहले दल में बड़ी संख्या में Gen Z शामिल हैं। ये युवा लंबी रेल यात्रा के दौरान अलग-अलग तरह के गेम खेलकर, समूह गतिविधियां करते हुए और एक-दूसरे से संवाद बढ़ाकर काशी तक के सफर का भरपूर आनंद ले रहे हैं, जिससे यह यात्रा उनके लिए एक यादगार सांस्कृतिक अनुभव बन रही है।

इस विशेष ट्रेन में सवार तमिलनाडु की अर्चना ने बताया कि काशी तमिल संगमम् 4.0 में पहुंचने को लेकर वे बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि घर पर वे बहुत कम मंदिर जाती हैं, इसलिए इस अवसर को भगवान की विशेष इच्छा मानकाशी की समृद्ध संस्कृति से पहली बार रूबरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

अर्चना के अलावा इस ट्रेन में सवार यूपीएससी की तैयारी कर रहीं तिरुप्पुर की मालती ने बताया कि तमिल और काशी के बीच गहरा आध्यात्मिक रिश्ता है, जिसे संतों जैसे मणिक्कवासगर ने सदियों से दशार्या। काशी तमिल संगमम् इसे आधुनिक रूप से मजबूत कर रहा है और काशी आने को वे गर्व का अवसर मानती हैं।

उधर काशी में भी घाटों और विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे प्री-इवेंट कार्यक्रमों में जेन-जी युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने माहौल को ऊजार्वान बना दिया है। 'रन फॉर KTS 4.0' जैसे जागरूकता कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में युवाओं ने दौड़ लगाकर न सिर्फ फिटनेस का संदेश दिया, बल्कि काशी तमिल संगमम् 4.0 के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई।

वीटी और घाटों के आसपास आयोजित नुक्कड़ नाटकों में जेन-जी कलाकारों ने काशी और तमिल सभ्यता के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक रिश्तों को रचनात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया। रील मेकिंग प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस आयोजन की झलक साझा कर रहे हैं, जिससे देशभर के अन्य युवाओं में भी इस कार्यक्रम के प्रति जिज्ञासा और आकर्षण बढ़ रहा है।

इस साल काशी तमिल संगमम् 4.0 की थीम है 'Learn tamil - तमिल करकलम्'। इसके माध्यम से भाषा और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाना है जिसमें जेन-जी युवाओं की भागीदारी इसे और प्रासंगिक बना रही है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भावनगर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण – हरित परिसर की ओर महत्वपूर्ण कदम

भावनगर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में 30 नवंबर, 2025 (रविवार) को एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसर को अधिक हरा-भरा, स्वच्छ एवं पर्यावरणीय संतुलन के अनुरूप विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान का नेतृत्व मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने किया।

कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमांशु शर्मा सहित मंडल के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने-अपने हाथों से पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वृक्षारोपण पहल के अंतर्गत कार्यालय परिसर में एरेका पाम (अर्ॉ ढं') के कुल 28 पौधे लगाए गए। यह पौधा न केवल आकर्षक एवं सुशोभित स्वरूप वाला है, बल्कि प्राकृतिक वायु शोधक होने के साथ-साथ वातावरण में नमी एवं सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ाता है।

रेल प्रशासन का यह प्रयास कार्यालय परिसर को हरियाली से समृद्ध कर स्वस्थ एवं स्वच्छ कार्य परिवेश उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा।

'वोकल फॉर लोकल' से 'ग्लोबल एक्सीलेंस' तक राजकोट में संचालित श्रीराम एयरोस्पेस प्रधानमंत्री के विजन को दे रही है नई गति

राजकोट में आगामी जनवरी में आयोजित होगी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) सौराष्ट्र में राजकोट वैश्विक एयरोस्पेस हब के रूप में उभर रहा है 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' का जीवंत उदाहरण और सौराष्ट्र में प्रिसीजन इंजीनियरिंग का उभरता हुआ केंद्र बन रहा है राजकोट

मानक SOP के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण उत्पादन से वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी को बढ़ाया जा सकता है: – श्री संदीप सताणी (प्रबंध निदेशक, श्रीराम एयरोस्पेस)

गांधीनगर,30 नवंबर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में गुजरात सरकार द्वारा आगामी 8 से 9 जनवरी 2026 के दौरान राजकोट में सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) का आयोजन किया जा रहा है।

इस कॉन्फ्रेंस के साथ ही 8 से 11 जनवरी, 2026 तक वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एक्ज़िबिशन (VGRE) भी आयोजित होगी जो पूरे कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के उद्योगों, टरटए२, सरकारी संस्थाओं एवं उभरते उद्यमियों को अपने उत्पाद, नवाचार और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

वाइब्रेंट गुजरात के माध्यम से अनेक स्वदेशी कंपनियाँ आज 'राइजिंग स्टार' के रूप में उभरकर सामने आई हैं। ऑटो उद्योग में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका राजकोट अब एयरोस्पेस और स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दे

रहा है। इसी श्रृंखला में श्रीराम एयरोस्पेस एंड डिफेंस आने वाले समय में एयरोस्पेस सेक्टर में अत्यधिक संभावनाओं के साथ नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वदेशी अपनाओ', 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्पों को श्रीराम एयरोस्पेस एंड डिफेंस छछढ ने व्यवहार में उतारते हुए स्थानीय क्षमता को वर्ल्ड-क्लास औद्योगिक उत्कृष्टता में बदलने का सफल प्रयास किया है। वाइब्रेंट गुजरात के माध्यम से सौराष्ट्र अब 'इनोवेशन-ड्रिवन इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' के रूप में विकसित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संदीप वल्लभभाई सताणी बताते हैं कि उन्होंने अपनी कंपनी की शुरूआत वर्ष 2017 में की। वे कहते हैं, 'हमें श्रीराम एयरोस्पेस के माध्यम से न्यू इंडिया की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने का अवसर मिला है। मेरे पिता श्री वल्लभभाई सताणी के मार्गदर्शन में इंजीनियरिंग विशेषज्ञता की मजबूत नींव पर स्थापित यह कंपनी आज देश की चुनिंदा अग्रणी संस्थाओं में शामिल हो चुकी है।'

श्री सताणी बताते हैं कि अत्याधुनिक मशीनरी और 247 पावर-बैक्ड असेंबली सुविधाओं के साथ कंपनी ने गुजरात में सबसे आधुनिक और सक्षम प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकोसिस्टम विकसित किया है। इसी कारण आज कंपनी एयरबस, बोइंग, रोल्स-रॉयस, डसॉल्ट एविएशन, इसरो, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसी वैश्विक एयरोस्पेस कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण एयरोस्पेस पाट्र्स की सप्लाई करने में सक्षम है।

वे आगे बताते हैं कि तकनीकी टीम के सहयोग से कंपनी ने अल्ट्रा-प्रीसिजन मशीनिंग, जटिल एयरोस्पेस टूलिंग, हाई-स्ट्रेंथ अलॉय और क्रिटिकल असेंबली जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेष दक्षता प्राप्त की है। साथ ही, रअउ-क्रफ्ढ के लिए भारत का पहला 6 माइक्रोन फ्टर युक्त टेराहट्र्ज. एंटेना और नेविगेशन एंटेना भी विकसित किया गया है। कंपनी 8-मीटर विंग फिक्चर्स, क्ठश्अफ कॉम्पोजिट लेअप टूल्स, एयरो-इंजन पाट्र्स हेतु स्ट्रेच-फॉर्मिंग डाईज, रिफ्लेक्टर पैनल्स सहित लगभग 3000 से अधिक एयरोस्पेस टूल्स की आपूर्ति कर चुकी है। इसके अतिरिक्त, ळअळअ-अ१४२ उ295 विमान हेतु 11.5 मीटर लंबे, 25 टन वजनी और 15,000+ हिस्सों से निर्मित लेफ्ट और राइट विंग बॉक्स असेंबली जिग्स की सफल डिलीवरी भी कंपनी द्वारा सम्पन्न की गई है जो तकनीकी क्षमता और औद्योगिक उत्कृष्टता का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए श्री संदीप सताणी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी अक्सर कहते हैं कि हर संकट अपने साथ एक नया अवसर लेकर आता है और इसी सोच ने हमें निरंतर नवाचार के लिए प्रेरित किया। इसी दृष्टि से कंपनी ने अल्ट्रा-प्रिसीजन मल्टी-एक्सिस मशीनिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है। अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर सिद्ध अर9100ऊ प्रमाणित क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम, एकीकृत फेब्रिकेशन-असेंबली-इंस्पेक्शन इकोसिस्टम तथा वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रशिक्षित उच्च कौशल युक्त कार्यबल, इन सभी ने श्रीराम एयरोस्पेस को विश्वस्तरीय क्षमताओं से सुसज्जित किया है।

उन्होंने आगे कहा कि श्रीराम एयरोस्पेस वास्तव में नए भारत की उस तकनीकी आकांक्षा का प्रतीक है, जिसका स्वप्न प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी ने देखा है। आज राजकोट की धरती इंजीनियरिंग नवाचार का केंद्र बनकर उभर रही है और गुजरात भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्रांति की अगुवाई कर रहा है। राजकोट यह प्रमाणित कर रहा है कि स्थानीय प्रतिभा की क्षमता, उद्यमियों की दूरदर्शिता और अत्याधुनिक तकनीक का मेल भारत को वैश्विक मंच पर नई शक्ति और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने में सक्षम है।

सरदार@150 पदयात्रा के पांचवें दिन सामूहिक रूप से मन की बात कार्यक्रम सुना गया; प्रधानमंत्री मोदी के संदेश ने युवाओं और नागरिकों को प्रेरित किया

- 'मोदी – विकसित भारत का निर्माण': श्री वेंकैया नायडू ने सरदार गाथा के दौरान भारत की प्रगति के एक दशक की प्रशंसा की
- 'सरदार पटेल मेरे जीवन की प्रेरणा हैं': डॉ. मनसुख मांडविया
- वडोदरा ने सरदार@150 पदयात्रा के सामूहिक रूप से गुजरात में 72 किलोमीटर की दूरी तय करने पर उत्साह के साथ स्वागत किया

(जीएनएस)।

गुजरात में सरदार@150 पदयात्रा आज पाँचवें दिन वडोदरा शहर पहुँची। वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सरदार गाथा और ग्राम सभा सहित कई गतिविधियों में उत्साहपूर्ण जनभागीदारी देखी गई। यह पदयात्रा अब सामूहिक रूप से 72 किलोमीटर की दूरी तय चुकी है और सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकता और नागरिक उत्तरदायित्व के संदेश का प्रसार जारी रखे हुए है।

दिन की शुरूआत अरबिंदो आश्रम में योगाभ्यास से हुई, जिसके बाद केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ और राज्यसभा सांसद श्री सुरेंद्र सिंह नागर के नेतृत्व में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। "एक पेड़ माँ के नाम" थीम पर आयोजित इस पौधारोपण अभियान में व्यापक सामुदायिक भागीदारी देखी गई, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

पांचवें दिन पदयात्रा अरबिंदो आश्रम से नवलखी ग्राउंड, खंडेराव मार्केट क्रॉस रोड, कीर्ति स्तंभ, प्रतिमा पुष्पाजलि (एफटीई कॉलेज), वडोदरा शहर का विस्तार, भारतीय विद्या भवन, मकरपुरा बस प्वाइंट, जंबुवा (आइडियल स्कूल), आलमगीर (हनुमान मंदिर) और बाबरिया कॉलेज (केपीजीयू) से होते हुए अंत में त्रिमंदिर, वनार्मा में समाप्त हुई।

इस दिन का मुख्य आकर्षण के रूप में गणमान्य व्यक्ति और पदयात्री मन की बात सुनने के लिए एकत्र हुए, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिटनेस, अनुशासन और सामूहिक कल्याण के महत्व पर जोर दिया।

इस दिन की एक उल्लेखनीय विशेषता स्वच्छता अभियान था, जिसमें "माई भारत" के स्वयंसेवकों और पदयात्रियों ने पूरे मार्ग पर स्वच्छता गतिविधियाँ चलाईं। कचरा संग्रहण बैग लेकर, उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों, बाजारों और सड़कों की सफाई की, नागरिकों को इस प्रयास में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और नागरिक उत्तरदायित्व के बारे में जागरूकता फैलाई।

जम्बुवा – आइडियल स्कूल में आयोजित सरदार गाथा का विषय था "सरदार गाथा – आधुनिक भारत के निमार्ता।" विशेष रूप से आयोजित प्रदर्शनी, "सरदार और मजदूर संघ – मजदूरों की आवाज", ने श्रमिक अधिकारों को मजबूत करने, श्रमिक आंदोलनों को एकजुट करने और भारत के आधुनिक प्रशासनिक ढाँचे की नींव रखने वाले संगठनात्मक सुधारों को आकार देने में सरदार पटेल की अग्रणी भूमिका को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और सांसद श्री हेमांग जोशी सहित कई अन्य प्रमुख नेता और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राष्ट्रव्यापी समारोहों पर अपने विचार साझा किए और इस बात पर जोर दिया कि पदयात्राएँ आत्मनिर्भर भारत और एक भारत श्रेष्ठ भारत की प्रेरक भावना को आगे बढ़ा रही हैं और नागरिकों को सरदार पटेल के आत्मनिर्भरता, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के संदेश की याद दिला रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "सरदार पटेल मेरे जीवन की प्रेरणा हैं", और जन सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर भारत के लौह पुरुष के स्थायी प्रभाव को उजागर किया। उन्होंने आगे बताया कि पाँचवें दिन, पदयात्रा वडोदरा महानगरीय क्षेत्र से गुजरी और दिन के अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँची, जहाँ वडोदरा के लोगों ने प्रतिभागियों का अत्यधिक उत्साह के साथ स्वागत किया। उन्होंने आगे कहा कि एकता पदयात्रा का समापन एकता नगर में होगा, जो भारत के लौह पुरुष को एक प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक श्रद्धांजलि होगी।

डॉ. मनसुख मांडविया के संबोधन के बाद, श्री वेंकैया नायडू ने कहा कि सेवानिवृत्त होने के बावजूद, वे "थके नहीं हैं", क्योंकि वे सरदार पटेल की शाश्वत विरासत से प्रेरित हैं। उन्होंने युवाओं से सरदार पटेल से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज तक, भारत के महान नेताओं के जीवन का अध्ययन करने और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके अनुशासन, साहस और प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

श्री वेंकैया नायडू ने पदयात्रा के आयोजन में सरकार के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का उत्थान एकता, सहयोग और दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरित है। उन्होंने कहा, "नरेंद्र भाई के नेतृत्व में, पिछले एक दशक में देश की प्रगति मेरे द्वारा व्यक्त किए गए विचार को प्रतिबिंबित करती है: मोदी – विकसित भारत का निर्माण।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत आज संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन सहित वैश्विक शक्तियों के बीच आत्मविश्वास से खड़ा है। भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए, उन्होंने भारत की सांस्कृतिक सद्भावना की भावना को दोहराया और कहा, "अलग भाषा, अलग वेश, फिर भी अपना एक देश।"

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को इस अद्भुत प्रतिमा के निर्माण के लिए बधाई देते हुए कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आज राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।

और सरदार पटेल की महान

'रन फॉर केटीएस 4.0' में सैकड़ों युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, युवाओं के साथ-साथ काशीवासियों में दिखा उत्साह

(जीएनएस)।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर में सुबह एक नया उत्साह देखने को मिला, जब काशी-तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत आयोजित 'रन फॉर केटीएस 4.0' में सैकड़ों युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह 7:30 बजे मालवीय भवन से शुरू होकर रविदास गेट तक जाने वाली इस दौड़ ने न केवल परिसर को ऊर्जा से भर दिया बल्कि 'विविधता में एकता' के संदेश को भी प्रभावी रूप से प्रसारित किया। तमिलनाडु और काशी की सांस्कृतिक एकता को सशक्त करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जोड़ना और उन्हें राष्ट्र की विविध विरासत के प्रति जागरूक करना रहा।

बीएचयू कुलपति श्री अजित कुमार चतुर्वेदी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की इतनी संख्या देखकर हमें भी उत्साह आ गया है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हर राज्य के लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय काशी तमिल संगमम्-4.0 को मना रहा है इससे हमारे प्राचीन सभ्यता, आध्यात्मिक और संगीत का भी एक संगम हो रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रो.भुवन चंद्र कपरी, विभाग-फिजिकल एजुकेशन, कला संकाय, बीएचयू ने बताया कि इस दौड़ का मकसद केवल खेल को बढ़ावा देना नहीं बल्कि काशी और तमिलनाडु की ऐतिहासिक साझेदारी को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती है और राष्ट्रीय एकता का संदेश मजबूत होता है।

सह-संयोजक डॉ. राजीव कुमार सिंह, असिस्टेंट डायरेक्टर, फिजिकल एजुकेशन एवं स्पोर्ट्स (रैकेट गेम्स) ने बताया कि इस बार मैराथन में बीएचयू के छात्रों के साथ-साथ आस-पास के कॉलेजों और समुदाय से भी बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों में जोश और अनुशासन दोनों देखने को मिला जो विश्वविद्यालय की खेल संस्कृति की पहचान है।

इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी और समन्वय नोडल ऑफिसर प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने की। उन्होंने बताया कि काशी-तमिल संगमम् बीएचयू का एक प्रमुख सांस्कृतिक सेतु है जो दक्षिण और उत्तर भारत के प्राचीन संबंधों को वर्तमान में जीवंत करता है। 'रन फॉर केटीएस 4.0' इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण प्रयास है जिसमें युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लेकर इसे सफल बनाया।

दौड़ शुरू होने से पहले सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों, सुरक्षा दिशा-निर्देशों और मार्ग के बारे में जानकारी दी गई। जैसे ही संकेत मिला, सैकड़ों युवक-युवतियों ने दौड़ की शुरूआत की। इस आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि काशी और तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत कितनी मजबूत है।

भारत के निर्यात क्षेत्र में वृद्धि को गति देती श्रम संहिताएं

(जीएनएस)।

मुख्य बातें

सभी श्रम संहिताओं में 'मजदूरी' की एक समान परिभाषा, विभिन्न और असंगत परिभाषाओं द्वारा पैदा की गई अस्पष्टता को समाप्त करती है।

भर्ती और वेतन में लैंगिक आधार पर भेदभाव के निषेध का प्रावधान समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक सुनिश्चित करता है।

एकल पंजीकरण और एकीकृत रिटर्न के प्रावधान लाइसेंस और निरीक्षण की बहुलता को कम करते हैं।

पेशेगत सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित एक समान एवं व्यापक प्रावधान निर्यात से जुड़े उद्योगों तथा श्रमिकों को लाभान्वित करते हैं।

सभी कर्मचारियों को कवर करने वाले प्रावधानों के जरिए सामाजिक सुरक्षा का सार्वभौमिकरण।

एक सशक्त निर्यात क्षेत्र के लिए श्रम सुधार

निर्यात के क्षेत्र में भारत का प्रदर्शन नवाचार और दुनिया के साथ गहराई से जुड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास को दशार्ता है। नियातीन्मुखी उद्योग (ईओआई) – जिनमें वस्त्र, परिधान, चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटो कंपोनेंट और आईटी-आधारित सेवाएं शामिल हैं – भारत के रोजगार सृजन और विदेशी मुद्रा के अर्जन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों का पालन करते हुए एक सुदृढ़, कर्तव्यनिष्ठ और कुशल श्रमबल को बनाए रखने की क्षमता पर बहुत अधिक निर्भर करती है। इस क्षेत्र के विकास की गति को उत्प्रेरित करने के हेतु, सरकार द्वारा हाल ही में 29 कानूनों को 4 सुव्यवस्थित संहिताओं में एकीकृत करने से एक ऐसा वातावरण तैयार हुआ है, जो श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हुए औद्योगिक दक्षता को बढ़ावा देता है।

नियातीन्मुखी उद्योगों / नियोक्ताओ के लिए लाभ

यह श्रम सुधार भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए अनेक लाभ लेकर आया है। खासकर, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन को सरल बनाने तथा श्रमबल के बेहतर प्रबंधन को संभव बनाने के मामले में।

मजदूरी संबंधी सुधार

मजदूरी की एक समान परिभाषा- सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक सभी श्रम संहिताओं में 'मजदूरी' की एक समान परिभाषा को लागू करना है। यह प्रावधान पहले के कानूनों में विविध एवं असंगत परिभाषाओं से उत्पन्न अस्पष्टता को दूर करता है। कई राज्यों में कार्यरत ईओआई के लिए, यह वेतन संबंधी प्रशासन एवं अनुपालन को सरल बनाता है, जिससे सामाजिक सुरक्षा योगदान, बोनस और ग्रेच्युटी के लिए मजदूरी की गणना में एकरूपता सुनिश्चित होती है।

राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी दर और न्यूनतम मजदूरी का युक्तिकरण- सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम मजदूरी दर निर्धारित करने का प्रावधान एक ऐसा मानक स्थापित करता है, जिसके नीचे कोई भी राज्य अपना न्यूनतम मजदूरी निर्धारित नहीं कर सकता। विभिन्न राज्यों में कार्यरत ईओआई के लिए, यह श्रम की लागत से जुड़ी संरचनाओं के बारे में पूवार्नुमान प्रदान करता है और क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करता है।

मजदूरी का डिजिटल भुगतान- मजदूरी के डिजिटल भुगतान को कानूनी मान्यता मिलने से पारदर्शी और पता लगाने योग्य भुगतान प्रणालियों को अपनाने को बढ़ावा मिला है। इससे ईओआई को सत्यापन योग्य भुगतान के रिकॉर्ड, जिसकी अक्सर वैश्विक खरीदारों और अनुपालन ऑडिट के लिए आवश्यकता होती है, को बनाए रखने की क्षमता का लाभ मिला है।

समान पारिश्रमिक और भेदभाव का निषेध – भर्ती और मजदूरी के मामले में लैंगिक आधार पर भेदभाव का निषेध समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक सुनिश्चित करता है। ईओआई के लिए, यह प्रावधान घरेलू कार्यप्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय श्रम एवं मानवाधिकार मानकों, विशेष रूप से वैश्विक खुदरा व सोर्सिंग भागीदारों द्वारा मांगे गए मानकों के अनुरूप बनाता है।

रोजगार संबंधी लचीलापन और श्रमबल का प्रबंधन

निश्चित अवधि का रोजगार (एफटीई) – एफटीई का प्रावधान नियोक्ताओं को एक निश्चित अवधि या परियोजना के लिए सीधे कर्मचारियों की भर्ती करने की अनुमति देता है। इस सीधी भर्ती में स्थायी कर्मचारियों के समान सभी वैधानिक लाभ शामिल होते हैं। यह उन ईओआई के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो वैश्विक ऑर्डर चक्रों से जुड़ी उतार-चढ़ाव वाली या मौसमी मांग का सामना करते हैं। उद्योगों को अनौपचारिक या संविदात्मक नियुक्तियों का सहारा लिए बिना ही अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने या घटाने की सुविधा मिलती है, जिससे वे कानून का पालन करते हुए अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के बीच अपनी सकारात्मक छवि बनाए रख सकते हैं।

छंटनी और तालाबंदी संबंधी मानदंडों में लचीलापन- छंटनी, काम से हटाने या बंद करने के लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति की सीमा को 100 से बढ़ाकर 300 करने से उद्योगों को बदलते निर्यात ऑर्डर और वैश्विक बाजार की स्थितियों के अनुसार समायोजित करने हेतु संचालन संबंधी लचीलापन हासिल होता है। यह प्रावधान निर्यातकों को मंदी के दौरान अत्यधिक सख्ती के डर के बिना, अधिकतम मांग की अवधि के दौरान रोजगार बढ़ाने का भरोसा देता है।

कामकाज का समय और ओवरटाइम का समय तय करने की छूट- सरकारों (राज्य/केन्द्र, जहां जैसा लागू हो) को कामकाज के समय की सीमा तय करने की पूरी छूट दी गई है। पहले यह सीमा एक तिमाही में 75 ओवरटाइम घंटे की थी, जिसे अब सरकारें (राज्य/केन्द्र, जहां जैसा लागू हो) तय कर सकती हैं। कामकाज के समय के मामले में यह छूट उद्योग जगत को अपनी व्यावसायिक जरूरतों, जिसमें अधिकतम ऑर्डर मिलने की अवधि भी शामिल है, के अनुरूप काम के घंटे तय करने में समर्थ बनाएगा। इससे विकास और रोजगार में भी वृद्धि होगी।

सरलीकृत अनुपालन और व्यवसाय करने में आसानी

सरलीकृत पंजीकरण व लाइसेंसिंग और एकीकृत रिटर्न- एकल पंजीकरण और एकीकृत रिटर्न के प्रावधानों की शुरूआत से विभिन्न श्रम कानूनों के तहत लाइसेंस और निरीक्षणों की बहुलता कम हो जाएगी। इससे ईओआई, जो अक्सर कई उत्पादन इकाइयां संचालित करते हैं या कई ठेकेदारों को नियुक्त करते हैं, को सरलीकृत अनुपालन और कम प्रशासनिक लागत का लाभ मिलेगा।

अभिलेखों का डिजिटलीकरण और उनकी सुवा'ता (पोर्टेबिलिटी) – ये संहिताएं रोजगार संबंधी अभिलेखों, रजिस्टरों और रिटर्न के डिजिटल रखरखाव को बढ़ावा देती हैं। ईओआई, जिनका अक्सर विदेशी ग्राहकों और प्रमाणन एजेंसियों द्वारा ऑडिट किया जाता है, पारदर्शी और पता लगाने योग्य डिजिटल दस्तावेजीकरण के जरिए विश्वसनीयता हासिल कर सकेंगे।

निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता और आकस्मिक डिजिटल निरीक्षण- इस प्रावधान का उद्देश्य पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज', जहां निरीक्षणों को अक्सर दखलंदाजी भरा और बोझिल माना जाता था, को कम करना है। निरीक्षक अब सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करेंगे – नियोक्ताओं को कानून का पालन करने में मदद करेंगे और कर्मचारियों में जागरूकता पैदा करेंगे। यह बदलाव सौहार्दपूर्ण वातावरण को बढ़ावा देगा और व्यवसाय करना आसान बनाएगा।

तृतीय-पक्ष द्वारा ऑडिट एवं प्रमाणन- स्टार्ट-अप प्रतिष्ठानों या प्रतिष्ठानों के वर्ग के लिए तृतीय-पक्ष द्वारा ऑडिट एवं प्रमाणन का प्रावधान किया गया है। इससे ईओआई को निरीक्षक-सह-सुविधाकर्ता के हस्तक्षेप के बिना स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का आकलन करने और उसमें सुधार करने में मदद मिलेगी।

अपराधों की माफी – पहली बार किए गए अपराधों, जिनमें केवल जुमार्ना होता है, का निपटारा अब अधिकतम जुमार्ने का 50 प्रतिशत भुगतान करके किया जा सकेगा।

दिसंबर के पहले दिन मिली खुशखबरी, सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर

(जीएनएस)।

दिसंबर माह के पहले दिन जनता को खुशखबरी मिली है, पेट्रोलियम मार्केटिंग करने वाली कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 10 रुपये घटा दी है, नया दाम आज से लागू भी हो गया है, ये लगातार दूसरा महीना है, जब सिलेंडर के दाम घटाए गए हैं, नवंबर में भी कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत पांच रुपये कम की गई थी।

दाम घटने के बाद अब दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर 1580.50 रुपये का हो गया है तो वहीं कोलकाता में इसकी कीमत 1684.00 रुपये हो गई है। जबकि मुंबई में अब यह 1531.50 रुपये में मिलेगा और चेन्नई में इसका रेट 1739.50 रुपये हो गया है।

मालूम हो कि जुलाई, अगस्त और सितंबर में सिलेंडर के दाम घटे थे लेकिन अक्टूबर में कीमत बढ़ा दी गई है, हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 853, मुंबई में 852.50 और लखनऊ में 890.50 में मिल रहा है।

नए बदलाव के बाद 19 किलो कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों के दाम चार महानगरों में निम्नलिखित है...

दिल्ली- 1580.50 रु, मुंबई- 1531.50 रु, कोलकाता -1684.00 रु, चेन्नई- 1739.50 रु

14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंडियन ऑयल के अनुसार, 1 अगस्त 2025 को 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट इस प्रकार हैं:

शहर में LPG रेट (रुपये में)

दिल्ली 853.00, गुरुग्राम 861.5, अहमदाबाद 860, जयपुर 856.5, पटना 942.5, आगरा 865.5, मेरठ 860, गाजियाबाद 850.5, इंदौर 881, भोपाल 858.5, लुधियाना 880, वाराणसी 916.5, लखनऊ 890.5, मुंबई 852.50, पुणे 856, हैदराबाद 905, बेंगलुरु 855.5

LPG (घरेलू सिलेंडर) क्या है?

LPG यानी Liquefied Petroleum GÔs घरेलू रसोई में खाना बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गैस है। इसे 14.2 किलो और 5 किलो के सिलेंडर में उपलब्ध कराया जाता है। सरकार घरेलू LPG पर सब्सिडी भी देती है (राज्य व गैस एजेंसी के अनुसार लागू) जिससे आम उपभोक्ता को राहत मिलती है।

CommerciÔl Cyli»»fder क्या होता है?

कमर्शियल सिलेंडर 19 किलो, 47.5 किलो और 425 किलो (कट्टा) के विकल्पों में उपलब्ध होते हैं। इनका उपयोग मुख्य रूप से:

होटल-रेस्टोरेंट, बेकरी, ढाबे, कैटरिंग, इंडस्ट्रियल यूनिट, कैंटीन

इसके दाम पर सब्सिडी नहीं मिलती, इसलिए इसकी कीमत घरेलू LPG से अधिक होती है।

प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर में एसआईआर फॉर्म कैंपः बीएलओज़ ने समयबद्ध जमा करने की अपील, लंबित फॉर्म पूरे

● प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर में SIR फॉर्म कैंपः BLOs ने समयबद्ध जमा करने की अपील, लंबित फॉर्म पूरे

(जीएनएस)।

*संडीला/हरदोई (30 नवंबर 2025, * तहसील संडीला क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर में रविवार को रक्फ (Special Intensive Revision) फॉर्म के लिए विशेष कैंप लगाया गया। जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित इस कैंप में लंबित फॉर्म भरने पर जोर दिया गया।

कैंप का फोकसः वोटर लिस्ट को अपडेट

– *लाभार्थियों की सहायताः* कैंप में उन लोगों के रक्फ फॉर्म भरे और जमा किए गए जो अभी तक अधर में लटके थे। EF फॉर्म (Electoral Form) भरने की प्रक्रिया—नाम, पता, उम्र अपडेट—सरल तरीके से बताई गई।

– *BLOs की अपीलः* उपस्थित BLOs ने लोगों से कहा, "समय सीमा के अंदर फॉर्म भरें और BLO को सौंप दें। इससे चुनावी प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए।" nvsp.in पोर्टल का भी जिक्र किया।

– *उपस्थिति और सहयोगः* BLO स्टाफ राशिक, वीरेंद्र कुमार, रूचि गुप्ता, नमिता सिंह और पंचायत मित्र संगीता वर्मा सक्रिय रहीं। बूथ पर मंडल अध्यक्ष सर्वेश राठौर (मल्हेरा), ग्राम प्रधान विमला देवी, राजू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कैंप में स्थानीय मतदाताओ की अच्छी खासी भीड़ देखी गई। प्रशासनिक टीम ने अनुशासन बनाए रखा और कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। इससे संडीला की मतदाता जागरूकता बढ़ी।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित प्रतिष्ठित विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में एक अत्यंत प्रेरक और संदेशपूर्ण नुक्कड़ नाटक 'एकता की गंगा' का भव्य आयोजन

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'

को सार्थक बनाते हुए काशी तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत आज काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित प्रतिष्ठित विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में एक अत्यंत प्रेरक और संदेशपूर्ण नुक्कड़ नाटक 'एकता की गंगा' का भव्य आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक विरासत के अद्भुत समन्वय को सशक्त रूप से प्रस्तुत करना था।

नोडल अधिकारी प्रो. अंचल श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में तैयार इस नाटक ने दर्शकों को गंगा की निर्मल धारा के समान एक एकीकृत सांस्कृतिक प्रवाह की अनुभूति कराई। कथा के माध्यम से बताया गया कि काशी और तमिलनाडु दो अलग-अलग भौगोलिक स्थलों के रूप में भले ही दिखाई देते हों, किंतु उनकी आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक बंधन और ऐतिहासिक जुड़ाव उन्हें हमेशा से एक सूत्र में बांधे हुए है। नाटक ने इस तथ्य को उभारकर प्रस्तुत किया कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में निहित एकता में है, जो सहअस्तित्व, सहयोग और सदभाव की भावना से युक्त है।

नाटक में मुख्य भूमिका सागर शॉ ने बड़े ही प्रभावशाली अंदाज में निभाई। उनके साथ मिनर्वा राइजादा, मेहुल अपराजिता, अद्रीजा रॉय, अनुभा सिंह, हिमांशु गुप्ता, प्रिंस राज, अंकित कुमार ओझा, देवांश पंचारिया और रक्षित मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने दमदार अभिनय, सशक्त संवाद और भावपूर्ण अभिव्यक्तियों के माध्यम से दर्शकों को बांधे रखा। प्रस्तुति में शामिल प्रत्येक दृश्य ने यह संदेश दिया कि भाषा बदल सकती है, परंतु भावनाएँ और सांस्कृतिक जड़े हमें एक-दूसरे से जोड़ती रहती हैं।

विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में उपस्थित बड़ी संख्या में दर्शकों ने तालियों और उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया के साथ इस प्रस्तुति को भरपूर सराहना दी। कार्यक्रम के अंत में प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने कलाकारों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि नाट्य-शिल्प समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जागरूकता का सबसे सशक्त माध्यम है। काशी तमिल संगमम् जैसे प्रयास हमारी युवा पीढ़ी को यह समझने में मदद करते हैं कि हम सभी भारतीय एक विशाल सांस्कृतिक परिवार का हिस्सा हैं, जिसे गंगा की तरह शाश्वत, पावन और प्रवाहमान एकता की धारा जोड़कर रखती है।

इस पूरी प्रस्तुति ने यह भाव संप्रेषित किया कि भारत की आत्मा उसके सांस्कृतिक विविधरूपों में समाहित है और यही विविधता हमें एक-दूसरे के निकट लाती है। 'एकता की गंगा' ने दर्शकों को यह संदेश दिया कि हमारी साझा विरासत ही हमें एक बनाती है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत करियर गाइडेंस मेला बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया

(जीएनएस)।

आज दिनांक 29 11 25 को राजकीय हाई स्कूल मझगवां खुर्द महोबा में समग्र शिक्षा के अंतर्गत करियर गाइडेंस मेला बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें आए हुए अतिथियों एवं विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया, इस अवसर पर वशिष्ठ अतिथि डॉक्टर श्री आशुतोष सोनी स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर एवं डॉक्टर श्री अभिषेक सिंह, श्री देवेश तिवारी उच्च प्राथमिक विद्यालय मझगवां खुर्द श्री करण सिंह कौशल विकास संस्थान ननौरा श्री कामता प्रसाद गुप्ता, प्रधानाचार्य श्री अनूप कुमार कमल, श्री कुलदीप कुमार वर्मा, श्री भुमानीदीन एवं समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान, शिक्षा हेतु आर्थिक अनुदान, सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण एवं सामाजिक उत्थान समारोह

(जीएनएस)।

लखनऊ कन सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 30 नवंबर 2025 को सहकारिता भवन, लखनऊ में भव्य "प्रतिभा सम्मान एवं सामाजिक उत्थान समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर के बोर्डों से 10वीं के 55 तथा 12वीं के 45 कुल 100 मेधावी छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया समिति द्वारा समाज के 50 आर्थिक रूप से कमजोर, सिंगल-पैरेंट एवं अनाथ बच्चों को 10,000 प्रति छात्र आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

विभिन्न जिलों से आए समाज के बच्चे-बच्चियों ने बहुजन महापुरुषों की विचारधारा पर आधारित सांस्कृतिक लोकगीत, नाटक एवं प्रस्तुतियाँ दीं डॉ. रागिनी सोनकर (पूर्व अक्फ्टर डॉक्टर एवं विधायक मछली शहर) मुख्य वक्ता डॉ. रागिनी ने कहा कि "शिक्षा शेरनी का दूध है जो पीएगा, वही दहाड़ेगा उन्होंने सावित्रीबाई फुले और माता रमाबाई के संघर्षों का उदाहरण देते हुए महिलाओं एवं बच्चियों को शिक्षा के प्रति जागरूक होने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं, आवश्यकता है सुविधाओं, अवसरों और सही मार्गदर्शन की।उन्होंने युवाओं को कौशल विकास, आत्मनिर्भरता छेंड्ड समाज के अपलिफ़्टमेंट में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

विश्व एड्स दिवसः भारत की वैश्विक एड्स नियंत्रण सफलता पर निर्माण

(जीएनएस)।

विश्व एड्स दिवस हर वर्ष 1 दिसंबर को मनाया जाता है।

2025 का थीम है 'व्यवधान पर विजय, एड्स प्रत्युत्तर में सुधार'।

भारत में मजबूत नीतिगत ढांचाः एचआईवी/एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 जैसे ऐतिहासिक उपाय एचआईवी के साथ रहने वाले लोगों के अधिकारों की रक्षा करते हैं और भेदभाव को रोकते हैं।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) के माध्यम से प्रगति। भारत ने एनएसीपी चरणों में विकसित रणनीतियों के माध्यम से नए संक्रमणों को कम किया है और एआरटी तक पहुंच का विस्तार किया है।

विश्व एड्स दिवस हर वर्ष 1 दिसंबर को एचआईवी / एड्स महामारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, एचआईवी से संबंधित बीमारियों से मरने वालों को याद करने और एचआईवी / एड्स के साथ रहने वाले लोगों का समर्थन करने के लिए आयोजित किया जाता है। इसे पहली बार 1988 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा चिह्नित किया गया था और तब से यह सरकारों, समुदायों और व्यक्तियों के लिए रोग के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने का एक मंच बन गया है। इस वर्ष का विषय "व्यवधान पर विजय, एड्स प्रत्युत्तर में सुधार" है।

यह न केवल पिछली प्रगति को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देता है, बल्कि एचआईवी सेवाओं को अधिक उपयुक्त, न्यायसंगत और समुदाय-नेतृत्व वाला बनाने के लिए उन्हें बदलने की आवश्यकता पर जोर देता है। यह विषय महामारी, संघर्षों और असमानताओं के कारण होने वाले व्यवधानों का समाधान करने की तात्कालिक आवश्यकता पर बल देता है, जिसके कारण देखभाल तक पहुंच को सीमित होता है। भारत हर वर्ष राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियानों, सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के नेतृत्व में नए सिरे से सरकारी प्रतिबद्धताओं के माध्यम से विश्व एड्स दिवस मनाता है।

भारत की यात्रा

भारत के एड्स नियंत्रण कार्यक्रम को विश्व स्तर पर एक सफलता की गाथा के रूप में सराहा गया है।[1] प्रारंभिक चरण (1985-1991) में एचआईवी मामलों की पहचान करने, सुरक्षित रक्त आधान सुनिश्चित करने और लक्षित जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) के शुभारंभ के साथ प्रतिक्रिया ने गति पकड़ी, जिसे 1992 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक बहु-क्षेत्रीय राष्ट्रीय रणनीति के समन्वय के लिए स्थापित किया गया था। समय के साथ, एनजीओ और एचआईवी के साथ रहने वाले लोगों (पीएलएचआईवी) के नेटवर्क की भागीदारी बढ़ाने के लिए एनएसीपी का ध्यान राष्ट्रीय प्रत्युत्तर से अधिक विकेन्द्रीकृत प्रत्युत्तर की ओर स्थानांतरित हो गया।

भारत ने विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, पहली बार हिस्सा लेकर 8वीं रैंक हासिल की

(जीएनएस)।

भारत ने वैश्विक कौशल मंच पर बड़ी उपलब्धि हासिल की जब देश ने विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता (हरअउ) 2025 में अपनी पहली हिस्सेदारी की और प्रतिभागी 29 देशों के बीच शानदार 8वीं जगह हासिल की। इस क्षेत्र के अग्रणी स्किल इकोसिस्टम की तुलना में अपनी पहली कोशिश में, भारत ने ज्यादा डिमांड वाले और उभरते हुए ट्रेड में शानदार अनुशासन, नवाचार और वैश्विक मानक का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (टरअए) के नेतृत्व में, एनएसडीसी और दूसरे तकनीकी भागीदारों ने प्रशिक्षण और तैयारी के दायित्व को संभाला। भारतीय टीम में 23 प्रतिभागी थे, जिन्होंने कौशल की 21 श्रेणियों में हिस्सा लिया। उनके साथ 21 विशेषज्ञ थे और उन्होंने टीम का समर्थन भी किया।

टीम ने ट्रेडिशनल और टेक-ड्रिवन कौशल श्रेणियों, दोनों में

शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने एक रजत, दो कांस्य पदक और तीन उत्कृष्टता पदक जीते। इससे वैश्विक कौशल उत्कृष्टता में देश की तेजी से बढ़ती पहचान का पता चलता है।

पदक के रूप में उपलब्धियांः

■ रजत – पेंटिंग और डेकोरेटिंगः मुस्कान

■ कांस्य – इंडस्ट्रियल डिजाइन टेक्नोलॉजीः कोमल पांडा

■ कांस्य – रोबोट सिस्टम इंटीग्रेशनः शिवम सिंह और दिनेश आर

■ उत्कृष्टता पदक – बिजनेस के लिए सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंटः मोहम्मद मफाज पी आर

■ उत्कृष्टता पदक – वेब टेक्नोलॉजीजः आदित्य नंदन

■ उत्कृष्टता पदक – इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशनः धनुष एम जी

महिला प्रतिस्पर्धी शानदार परफॉर्मर के तौर पर उभरीं, उन्होंने पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया और भारत के स्किलिंग इकोसिस्टम में युवा महिलाओं की बढ़ती लीडरशिप को दिखाया। उन्होंने अपारंपरिक कौशल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और देश में श्रेष्ठ पदक से सम्मानित हुईं, अलग-अलग कौशलों में सभी भारतीय प्रतिभागियों में सबसे ज्यादा अंक हासिल किए।

भारत की इस कामयाबी पर, भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री, श्री जयंत चौधरी ने कहा, "विश्व कौशल एशिया 2025 में भारत का प्रदर्शन हमारी युवा प्रतिभा के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और अनुशासन को दिखाता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस विश्व एड्स दिवस पर युवाओं, रोकथाम और कलंक मुक्त भारत पर नए अभियान का शुभारंभ करेंगे

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा विज्ञान भवन में विश्व एड्स दिवस 2025 के वार्षिक राष्ट्रीय समारोह का नेतृत्व करेंगे

भारत एड्स को समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है: विश्व एड्स दिवस 2025 पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय कार्यक्रम एनएसीपी-5 के तहत अच्छी प्रगतिः एचआईवी संक्रमण में 49% की कमी, एड्स से होने वाली मौतों में 81% की कमी

डिजिटल नवाचार और सामुदायिक सहभागिता विश्व एड्स दिवस 2025 से पहले भारत की एचआईवी कार्यक्रम को गति प्रदान करेगी

(जीएनएस)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा, 1 दिसंबर 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विश्व एड्स दिवस 2025 के वार्षिक राष्ट्रीय समारोह के आयोजन का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव; नाको के अपर सचिव एवं महानिदेशक; और स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जो एचआईवी की रोकथाम, उपचार, देखभाल और कलंक उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सरकारी नेता, विकास साझेदार, युवा प्रतिनिधि, समाज में इस कार्यक्रम के समर्थक, एचआईवी से पीड़ित व्यक्ति (पीएलएचआईवी) और अग्रणी स्वास्थ्य कार्यकर्ता एक साथ आएंगे। यह एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की दिशा में भारत की यात्रा को गति देने के लिए एकजुट दृष्टिकोण को दर्शाता है।

युवाओं के नेतृत्व में एक फ्लैश प्रदर्शन जागरूक और ज़िम्मेदारीपूर्ण व्यवहार के महत्व पर जोर देगा। इसके बाद एक विषयगत प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा, जिसमें राष्ट्रीय एड्स एवं यौन संचारित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत डिजिटल नवाचारों, कार्यक्रम की उपलब्धियों और समुदाय-आधारित मॉडलों को प्रदर्शित किया जाएगा। लाभार्थियों के अनुभवों की कहानियाँ और एक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति एनएसीपी-5 के तहत भारत की प्रगति और आगामी प्राथमिकताओं के बारे में बताया जाएगा।

इस समारोह का एक प्रमुख आकर्षण नाको की राष्ट्रीय मल्टीमीडिया पहल के तहत एक नई अभियान वीडियो श्रृंखला का शुभारंभ होगा, जो तीन प्रमुख आधार – युवा एवं जागरूकता, ऊर्ध्वाधर संचरण का उन्मूलन, और कलंक एवं भेदभाव – पर केंद्रित होगी। इसके अतिरिक्त, प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम संसाधन भी जारी किए जाएँगे, जिनमें शामिल हैं:

संकलक का 7वां संस्करण भारत एचआईवी अनुमान 2025

अनुसंधान संग्रह

आईटी-सक्षम वर्चुअल हस्तक्षेप लैंडिंग पृष्ठ

इस कार्यक्रम में एक विशेष लाइव संगीत प्रदर्शन भी होगा, जिसका विषय शीघ्र जांच, उपचार और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीना होगा।

एनएसीपी-5 के अंतर्गत भारत की प्रगति

भारत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के वर्तमान चरण के अंतर्गत पर्याप्त प्रगति कर रहा है:

एचआईवी की जांच 4.13 करोड़ (2020-21) से बढ़कर 6.62 करोड़ (2024-25) हो गई

एंटीरेट्रोवायरल उपचार तक पहुंच वाले पीएलएचआईवी की संख्या 14.94 लाख से बढ़कर 18.60 लाख हो गई

इसी अवधि में वायरल लोड परीक्षण 8.90 लाख से लगभग दोगुना होकर 15.98 लाख हो गया

2010 और 2024 के बीच भारत ने ये उपलब्धियां प्राप्त कीः

वार्षिक नए एचआईवी संक्रमणों में 48.7% की गिरावट

एड्स से संबंधित मौतों में 81.4% की कमी

माँ से बच्चे में एचआईवी संचरण में 74.6% की गिरावट

ये परिणाम वैश्विक औसत से आगे हैं और भारत के नेतृत्व, सतत घरेलू निवेश, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और मजबूत सामुदायिक सहभागिता को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री ने रायपुर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन की अध्यक्षता की

● प्रधानमंत्री ने पुलिस के बारे में जनता की धारणा बदलने, युवाओं तक पहुंच बढ़ाने, शहरी और पर्यटन पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया

● प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी, एआई और राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड एकीकरण के विस्तारित उपयोग का आ'न किया; द्वीप सुरक्षा, तटीय पुलिस व्यवस्था और फोरेंसिक आधारित जांच में नवाचार पर जोर दिया

● सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकताओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ, जिसमें विजन 2047 पुलिस व्यवस्था रोडमैप, आतंकवाद निरोधक रुझान, महिला सुरक्षा, भगोड़ों का पता लगाना और फोरेंसिक सुधार शामिल रहे

● प्रधानमंत्री ने आपदा से निपटने की बेहतर तैयारी और समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर बल दिया; चक्रवात, बाढ़ और प्राकृतिक आपात स्थितियों से निपटने के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण का आ'न किया

● प्रधानमंत्री ने पुलिस नेतृत्व से विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाने और इसमें सुधार करने का आग्रह किया

● प्रधानमंत्री ने विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किए; शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों को नव स्थापित शहरी पुलिस व्यवस्था पुरस्कारों से सम्मानित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का विषय 'विकसित भारतः सुरक्षा आयाम' है।

प्रधानमंत्री ने खासकर युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने की तत्काल जरूरत पर बल दिया, जिसके लिए दक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने और औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लागू किए गए नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को निर्जन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियां अपनाने, राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नेटग्रिड) के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए इन प्रणालियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को पुलिस जांच में फोरेंसिक के उपयोग पर केस स्टडी करने के लिए प्रोत्साहित करने का आ'न किया, और कहा कि फोरेंसिक के बेहतर अनुप्रयोग से आपराधिक न्याय प्रणाली और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री ने प्रतिबंधित संगठनों की नियमित निगरानी के लिए तंत्र स्थापित करने, वामपंथी उग्रवाद से मुक्त क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने और तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नवोन्मेषी मॉडल अपनाने के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें